

हरी में जैसो तैसो तेरो

हरी में जैसो तैसो तेरो,
राख शरण गिरिघारी प्यारे,
तन भी तेरो मन भी तेरो,
मैं चरनन को चरो।

दिन भी भूलूं, रैन भी भूलूं,
भूल जाऊं जग सारा।
तुम्हे ना भूलूं कुंवर कन्हैया,
चाकर दास तुम्हारा।
मैं बिना दाम को चरो,
तन भी तेरो मन भी तेरो,
मैं चरनन को चरो॥

निर्बल के बल सुनी नाथ में,
तेरे द्वार पे आया, हरी।
तेरी कृपा हो तो प्यारे,
सफल बने यह काया।
नष्ट हो पाप ताप सब मेरो,
तन भी तेरो मन भी तेरो,
मैं चरनन को चरो॥

आशा और विश्वास कहेंकि,
होगा दर्श तुम्हारा।
पागल मन फिर काहे डोले,
जो है श्याम सहारा।
अमर हो जनम जनम को फेरो,
तन भी तेरो मन भी तेरो,
मैं चरनन को चरो॥

मेरो चलन देख मत रूठियो,
मोपे कृपा निधान।
याही बल यो दीन को,
सुनिये रस की खान।
सरसता मोपे दारो,
दूजो नहीं मैं नाथ,
अधम हूँ दास तिहारो।

करम उद्धार शिरोमिनी,
मैं जानो हूँ तू दुःख दलान,
प्यारे शरण पड़ेओ अब रावरी,
मेरो काहे को देखो चलन,
हरी में जैसो तैसो तेरो।

जानू नहीं पूजा पाठ,
सेवा भाव विधि निषेद,
प्रेम भक्ति हृदय नाही,
नि ही शास्त्र को विचार है।
संत पद सेवेओ नहीं,
गयो नहीं तीर्थ माहि,
यज्ञ दान ताप नहीं,
नहीं करम सुख सार है॥

पापी हूँ कुचाली हूँ,
अघम हूँ निकारो नीच।
मोह में एकहू नहीं गुण,
अवगुण हजार हैं।
श्याम भव तरन हित और ना उपाय कुछ,
दीन बंधू एक तेरो नाम को आधार है॥

हमने यह माना की हम,
दीदार के काबिल नहीं।
हुकुम हो तो पेश कर दूँ,
इस दिले नाचीज़ को,
मुफलिसों के पास कुछ,
सरकार के काबिल नहीं।

हम किसी काबिल नहीं,
यह बात है मानी हुयी,
काब्लिअत देखना,
सरकार के काबिल नहीं॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/408/title/hari-main-jaiso-taiso-tero>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |